Daily Current Affairs

Date : 17 September, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान के नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त : राजेश्वर सिंह
2.	राजस्थान महिला निधि योजना को ₹3,000 करोड़ की ऋण सुविधा
3.	इंडो-जापान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'बायकॉन-2025'
4.	जोजड़ी नदी पर सुप्रीम कोर्ट का स्वत: संज्ञान
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. सुरताल कला महोत्सव 2. 'सृजन की सुरक्षा 2025' योजना 3. 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना को स्वीकृति 4. नेशनल ट्राईबल फूड फेस्टिवल-2025 : उदयपुर
6.	महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध व निवारण) अधिनियम, 2013 (POSH Act)
7.	विश्व धरोहर कन्वेंशन की अस्थायी सूची: यूनेस्को
8.	बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2025
9.	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने भू-तापीय ऊर्जा पर पहली राष्ट्रीय नीति का अनावरण किया
10.	सिमलिपाल टाइगर रिजर्व (STR)
11.	भारतीय पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 3(d)
12.	राष्ट्रीय गोकुल मिशन
13.	राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति : तीन वर्ष पूर्ण
14.	लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम
15.	विकसित भारत के लिए AI: त्वरित आर्थिक संवृद्धि का अवसर रिपोर्ट: नीति आयोग
16.	बहुराष्ट्रीय अभ्यास पैसिफिक रीच, 2025 (XPR, 25)
17.	31वां विश्व ओज़ोन दिवस: 16 सितम्बर
18.	राष्ट्रीय अभियंता दिवस
19.	स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2025

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान के नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त : राजेश्वर सिंह

चर्चा में क्यों?

- 16 सितंबर, 2025 को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने एक आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी राजेश्वर सिंह को राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्ति प्रदान की।

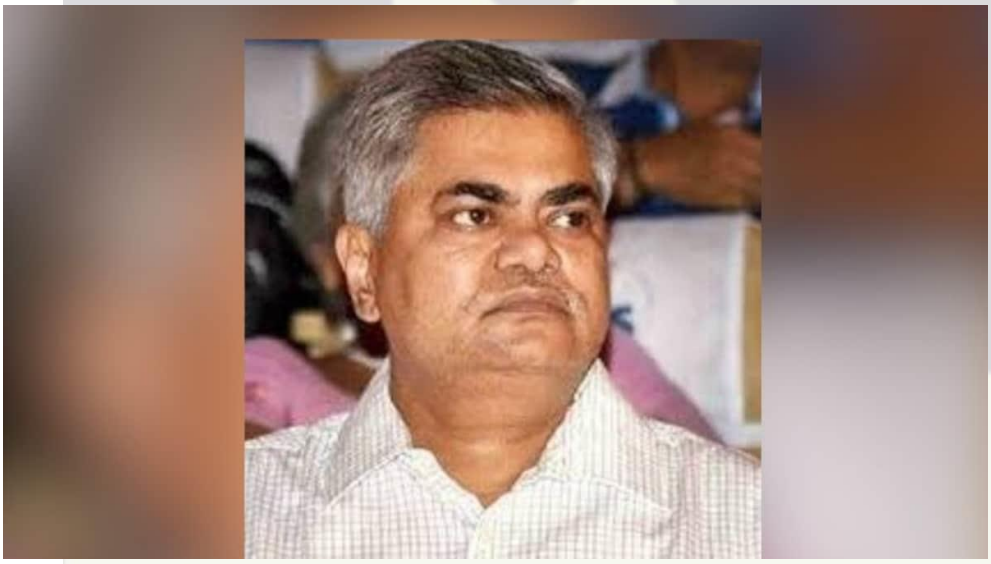

मुख्य बिन्दु:

- राजेश्वर सिंह ने पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता का स्थान लिया।

राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग

- 73वें तथा 74वें संविधान संशोधन अधिनियम 1992 के तहत् स्थानीय निकायों (पंचायतीराज एवं नगरीय संस्थाओं) में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने तथा चुनाव का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण करने हेतु भाग-9 व भाग-9 क में राज्य निर्वाचन आयोग का प्रावधान किया गया।
- राज्य निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक व स्वतंत्र निकाय है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- पंचायतीराज संस्थाओं हेतु-भाग-9, अनुच्छेद 243 K (ट)
- नगरीय निकायों हेतु-भाग-9 क, अनुच्छेद 243 ZA (य क)
- राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम 1994 की धारा - 120 के तहत् राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का आदेश 17 जून, 1994 को तथा कार्य प्रारंभ 1 जुलाई, 1994 से किया।
- राज्य निर्वाचन आयोग का मुख्यालय: जयपुर।
- राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग 'एक सदस्यीय निकाय' है (राज्य निर्वाचन आयुक्त एकमात्र सदस्य)।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त

- राज्य निर्वाचन आयुक्त ही राज्य की पंचायतीराज संस्थानों एवं नगरीय निकायों के सभी निर्वाचनों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने के लिए उनका अधीक्षण, निर्देशन तथा संचालन करने के लिए उत्तरदायी होता है।
- **नियुक्ति:** राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा राज्य मंत्रिपरिषद् की सलाह से की जाती है।
- **कार्यकाल:** पदग्रहण से 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु जो भी पहले हो।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **त्याग पत्र:** राज्य निर्वाचन आयुक्त अपना त्याग पत्र राज्यपाल को देता है।
- राज्य निर्वाचन आयुक्त को वेतन उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान मिलता है (2,25,000 रुपये)। पदावधि के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त की सेवा शर्तों में कोई अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जा सकता।

राज्य निर्वाचन आयोग के कार्य

- स्थानीय निकायों (पंचायतीराज व नगरीय संस्थाओं) के चुनाव करवाना (आम चुनाव, उपचुनाव) तथा चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण करना।

राज्य निर्वाचन आयोग का सचिवालय

- राज्य निर्वाचन आयुक्त की सहायता हेतु सचिव (मुख्य निर्वाचन अधिकारी) की व्यवस्था की गई है।
- मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सचिव स्तर का वरिष्ठ अधिकारी होता है (IAS रैंक का)।
- राज्य के प्रथम मुख्य निर्वाचन अधिकारी-बी.सी. मोहंती।
- वर्तमान मुख्य निर्वाचन अधिकारी – नवीन महाजन।

राजस्थान राज्य निर्वाचन आयुक्तों की सूची

क्र.सं.	आयुक्त का नाम	कार्यकाल
1.	अमरसिंह राठौड़	1 जुलाई, 1994 से 1 जुलाई, 2000
2.	नेकराम भसीन	2 जुलाई, 2000 से 2 जुलाई, 2002
3.	इन्द्रजीत खन्ना	26 दिसम्बर, 2002 से 26 दिसम्बर, 2007
4.	अशोक कुमार पाण्डे	1 अक्टूबर, 2008 से 30 सितम्बर, 2013
5.	रामलुभाया	1 अक्टूबर, 2013 से 2 अप्रैल, 2017
6.	प्रेमसिंह मेहरा	3 जुलाई, 2017 से 3 जुलाई, 2022
7.	मधुकर गुप्ता	14 अगस्त, 2022 से 16 सितम्बर, 2025
8.	राजेश्वर सिंह	16 सितम्बर, 2025 से निरन्तर

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **सर्वाधिक कार्यकाल वाले राज्य निर्वाचन आयुक्त -** अमरसिंह राठौड़ (6 वर्ष)
- **न्यूनतम कार्यकाल वाले राज्य निर्वाचन आयुक्त -** नेकराम भसीन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान महिला निधि योजना को ₹3,000 करोड़ की ऋण सुविधा

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नेशनल को-ऑपरेटिव डवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NCDC) से राजस्थान महिला निधि को ₹3,000 करोड़ की ऋण सुविधा प्राप्त हुई।

मुख्य बिन्दु:

- 'राजस्थान महिला निधि योजना' ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राजस्थान सरकार द्वारा आरंभ की गई एक महत्त्वपूर्ण योजना है।
- इस योजना के तहत राजीविका स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और उनकी महिला सदस्यों को आसान, सुलभ और त्वरित ऋण प्रदान किया जाता है।
- योजना के तहत पात्र महिला को ₹40,000 तक का ऋण मात्र 48 घंटे में प्राप्त होता है, जबकि इससे अधिक राशि का ऋण 15 दिनों में स्वीकृत होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- योजना राजस्थान के सभी 41 जिलों में लागू है तथा गरीब, निराश्रित और वंचित महिलाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाती है।
- योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा महिलाओं को ऋण पर ब्याज अनुदान दिया जाता है जिससे उन्हें केवल 1.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर ऋण उपलब्ध होता है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

नेशनल को-ऑपरेटिव डवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NCDC) :

- NCDC, केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय है।
- **स्थापना :** वर्ष 1963 में संसद के एक अधिनियम के तहत।
- **कार्य :** कृषि, ग्रामीण उद्योगों और संबद्ध क्षेत्रों में सहकारी विकास को बढ़ावा देना और उनका वित्त पोषण करना।
- **मुख्यालय :** नई दिल्ली (देश भर में इसके 18 क्षेत्रीय और राज्य कार्यालय हैं)

उद्देश्य :

- कृषि और ग्रामीण उद्योगों में आत्मनिर्भर और टिकाऊ सहकारी समितियों को बढ़ावा देना।
- सहकारी समितियों को दीर्घकालिक ऋण, कार्यशील पूंजी और आधुनिक बुनियादी ढाँचे तक पहुँच प्रदान करना।
- अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से तकनीकी मार्गदर्शन और परियोजना तैयारी सहायता प्रदान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इंडो-जापान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'बायकॉन-2025'

चर्चा में क्यों?

- जयपुर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में भारत–जापान उत्सव की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर 13 से 16 सितंबर, 2025 तक इंडो-जापान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'बायकॉन-2025' का आयोजन किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन :** राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा।
- **समापन समारोह :** राज्यपाल ने संबोधित किया और बियानी कॉलेज में 'ग्लोबल लैंग्वेज लैब' का उद्घाटन किया।
- **सम्मेलन का मुख्य विषय :** 'फ्रॉम कोलैबोरेशन टू ट्रांसफॉर्मेशन : एडवांसिंग इंडिया–जापान ईयर ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन एक्सचेंज'।
- **कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य :** भारत - जापान संबंधों को सुदृढ़ करना तथा विद्यार्थियों के लिए वैश्विक शिक्षा, इंटर्नशिप, प्लेसमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप के नए अवसरों को बढ़ावा देना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जोजड़ी नदी पर सुप्रीम कोर्ट का स्वत: संज्ञान

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान की जोजड़ी नदी में औद्योगिक इकाइयों के परिणामस्वरूप बढ़ते प्रदूषण को लेकर स्वत: संज्ञान लिया।

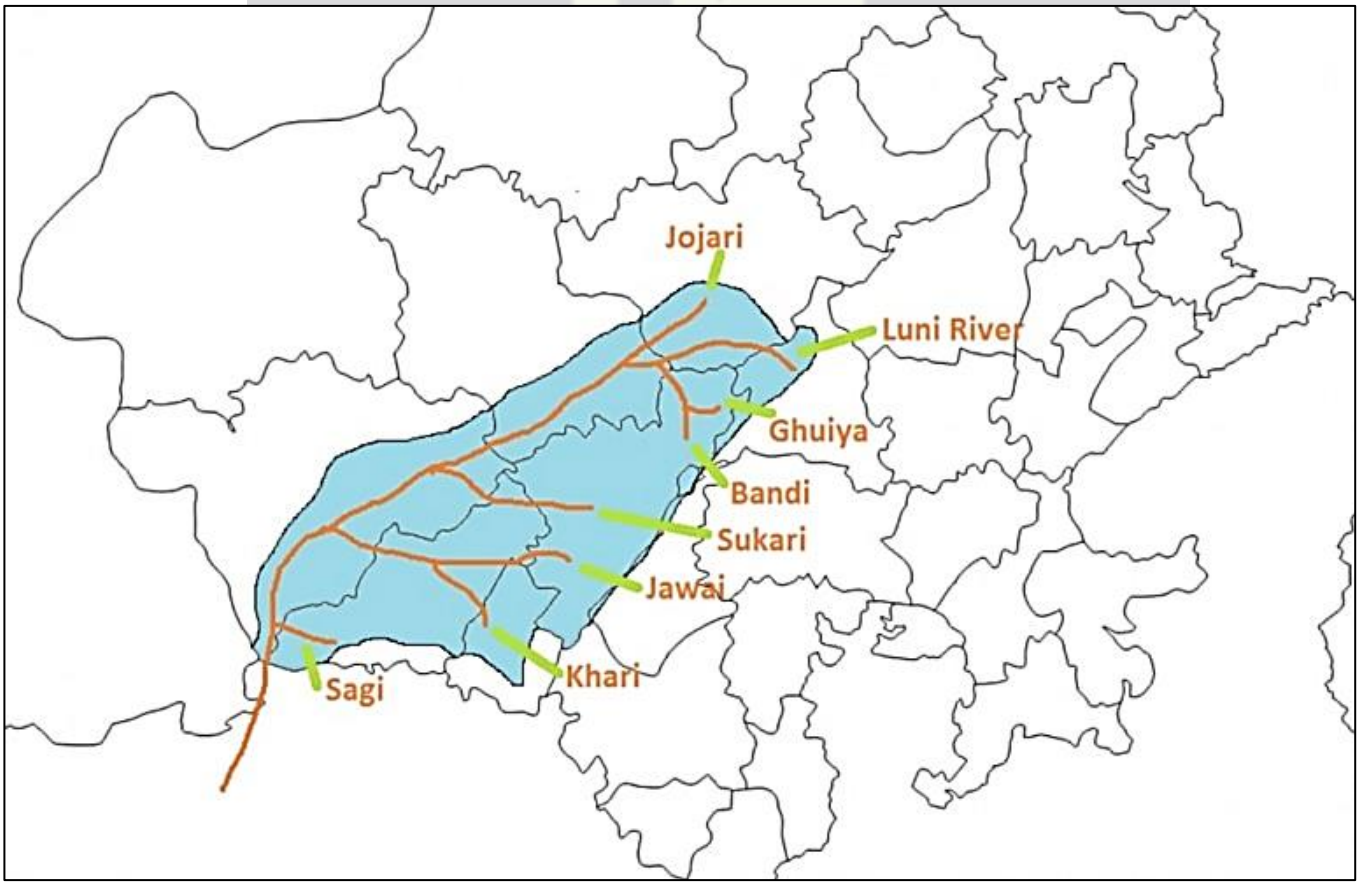

मुख्य बिन्दु:

- जोजड़ी नदी औद्योगिक अपशिष्ट के कारण पूरी तरह से जहरीली हो चुकी है, जिससे यहाँ पर्यावरणीय संकट उत्पन्न हो गया है।
- जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने जोजड़ी नदी से संबंधित इस मामले को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) के समक्ष भेजने का आदेश दिया है, ताकि उचित दिशा-निर्देश जारी किए जा सकें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले को पर्यावरण संरक्षण और संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) से जोड़कर देखा है तथा राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (RSPCB) और राज्य सरकार से तत्काल रिपोर्ट की मांग की है।
- यद्यपि राजस्थान सरकार ने जोजड़ी नदी के प्रदूषण को रोकने के लिए वर्ष 2023 में ₹400 करोड़, 2024 में ₹172.58 करोड़ और 2025-26 में ₹176 करोड़ आवंटित किए।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

जोजड़ी नदी:

- **उद्गम :** नागौर जिले के पुंडलू गाँव की पहाड़ियों से।
- **कुल लंबाई :** 150 किमी.।
- नागौर से निकलने के बाद जोजड़ी नदी जोधपुर से होकर बहती है और दक्षिण-पश्चिम में बालोतरा में प्रवेश करती है तथा सिवाना के पास लूनी नदी में मिल जाती है।
- यह लूनी की एकमात्र दाईं ओर की सहायक नदी है। यह लूनी की सहायक नदियों में सबसे लंबी नदी है।
- **लूनी की अन्य सहायक नदियाँ :** जवाई, सुकड़ी, गुहिया, बांडी, जोजड़ी, मिठड़ी और खारी नदी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**सुरताल कला महोत्सव** ■ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 16 सितम्बर, 2025 को जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र में अंजना वेलफेयर सोसाइटी और जवाहर कला केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'सुरताल कला महोत्सव' शुभारंभ किया। ■ **आयोजन :** 16 से 25 सितम्बर, 2025 तक। ■ महोत्सव के अंतर्गत राजस्थान की प्रतिष्ठित कला हस्तियों का सम्मान किया जाएगा।
2.	**'सृजन की सुरक्षा 2025' योजना** ■ 'माँ' के रूप में पूजी जाने वाली प्रकृति और मातृ शक्ति के रूप में पूजी जाने वाली महिलाओं के बीच अंतर्निहित संबंध को महत्व देते हुए तथा समकालीन समाज में दोनों की वंचित स्थिति को स्वीकार करते हुए 'राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RSLSA)' द्वारा ईको फेमिनिज्म के लिए एक योजना 'सृजन की सुरक्षा 2025' प्रारम्भ की जा रही है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- पिपलांत्री मॉडल (राजसमंद जिले का एक गांव) से प्रेरित, ईको-फेमिनिज्म के सिद्धांतों के साथ इस योजना का उद्देश्य मौजूदा कानूनी ढांचे का लाभ उठाते हुए एक सहयोगी और समुदाय केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना एवं पर्यावरण की रक्षा करना है।

3. 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना को स्वीकृति

Types of coal and their uses

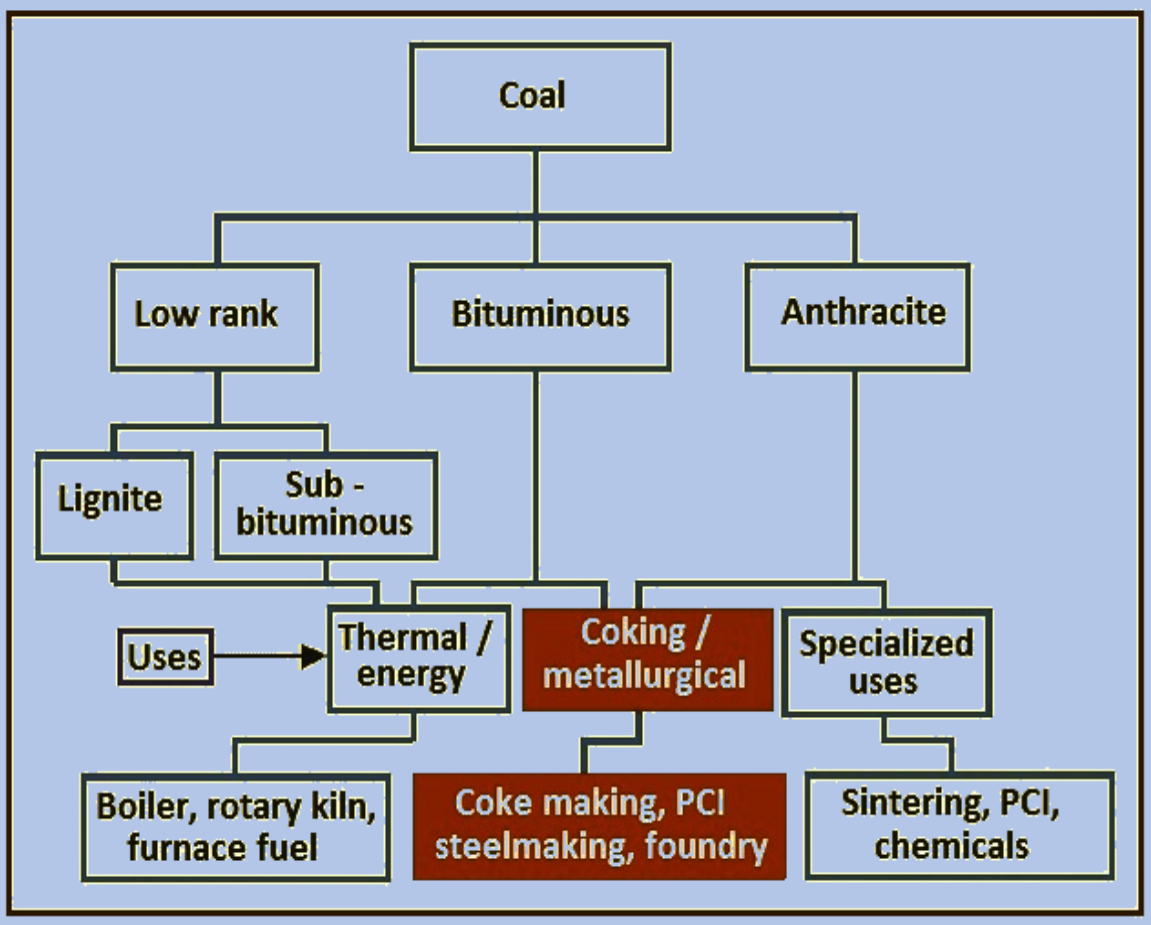

- हाल ही में, केन्द्र सरकार की एम्पावर्ड कमेटी ने राजस्थान में 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना को स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की।
- 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना की स्थापना से लगभग 40 हजार करोड़ का निवेश होगा, जिससे राज्य में राजस्व वृद्धि के साथ ही रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.

नेशनल ट्राईबल फूड फेस्टिवल-2025 : उदयपुर

- जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में उदयपुर में 17 से 19 सितम्बर, 2025 तक 'नेशनल ट्राईबल फूड फेस्टिवल-2025' का आयोजन किया जाएगा।
- **आयोजक :** माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध व निवारण) अधिनियम, 2013 (POSH Act)

चर्चा में क्यों?

- सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय दिया है कि राजनीतिक दलों को "कार्यस्थल" नहीं माना जा सकता है। इसलिए POSH अधिनियम के प्रावधान उन पर लागू नहीं होते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

POSH अधिनियम 2013:

- यह अधिनियम वर्ष 1997 के विशाखा निर्णय पर आधारित है।
- यह कानून कार्यस्थलों पर लागू होता है जिसके अन्तर्गत-
  - सरकारी और निजी क्षेत्र
  - गैर-सरकारी संगठन (NGOs)
  - शैक्षणिक संस्थान
  - अस्पताल और खेल परिसर
  - घरेलू कामगार ।
- **आंतरिक शिकायत समिति:** 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले कार्य-स्थल में इसका गठन अनिवार्य है।
  - इस समिति के कम-से-कम 50% सदस्य और अध्यक्ष महिला होनी चाहिए।
- **स्थानीय शिकायत समिति:** इसका गठन प्रत्येक जिले में किया जाता है। यह 10 से कम कर्मचारियों वाले कार्यस्थलों से जुड़ी शिकायतों का निपटारा करती है।
- घटना की तारीख से 3 महीने की अवधि के भीतर आंतरिक शिकायत समिति या स्थानीय शिकायत समिति के पास शिकायत दर्ज करवाना अनिवार्य है, और 90 दिनों के भीतर जांच पूरी करनी आवश्यक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विश्व धरोहर कन्वेंशन की अस्थायी सूची: यूनेस्को

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- भारत के 7 प्राकृतिक स्थलों को यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन की अस्थायी सूची में जोड़ा गया।
- इससे यूनेस्को की अस्थायी सूची में भारत के स्थलों की कुल संख्या बढ़कर 69 हो गई।
- किसी भी स्थल या स्मारक को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने से पहले अस्थायी सूची में उसका नाम शामिल करना अनिवार्य है।

अस्थायी सूची में शामिल किए गए 7 भारतीय स्थल:

- **पंचगनी और महाबलेश्वर (महाराष्ट्र) में डेक्कन ट्रैप:** यह ज्वालामुखी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है, जिसमें बेसाल्ट लावा प्रवाह और उच्च स्तर की जैव विविधता है।
- **सेंट मैरी द्वीप समूह (कर्नाटक) की भूवैज्ञानिक विरासत:** उडुपी के तट पर स्थित ये द्वीप ज्वालामुखी गतिविधि के परिणामस्वरूप अपनी अद्वितीय षट्कोणीय स्तंभाकार बेसाल्टिक चट्टान संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध हैं।
- **मेघालय युग की गुफाएं (मेघालय):** पूर्वी खासी पहाड़ियों में पाई जाने वाली ये विस्तृत गुफा प्रणालियां अपने भूवैज्ञानिक महत्व के लिए जानी जाती हैं, जिनमें से एक गुफा को मेघालय युग के प्रतीक के रूप में पहचाना गया है।
- **नागा हिल ओफियोलाइट (नागालैंड):** किफिरे क्षेत्र में स्थित इस स्थल में महासागरीय प्लेट की दुर्लभ भूवैज्ञानिक विशेषता है जो एक महाद्वीपीय प्लेट पर दबाव डालती है। यह कई लुप्तप्राय प्रजातियों के आवास के रूप में भी कार्य करता है।
- **एर्रा मट्टी डिब्बालु (आंध्र प्रदेश) की प्राकृतिक विरासत :** विशाखापत्तनम के निकट स्थित ये लाल रेत की पहाड़ियां या 'लाल रेत के टीले' राष्ट्रीय भू-विरासत स्मारक माने जाते हैं, जो पिछले जलवायु परिवर्तनों और समुद्र-स्तर में उतार-चढ़ाव को दर्शाते हैं।
- **तिरुमाला हिल्स (आंध्र प्रदेश) की प्राकृतिक विरासत:** शेषाचलम बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा, ये पहाड़ियां एक जैव विविधता हॉटस्पॉट हैं जो अपनी अनूठी एपार्चियन असंगति भूवैज्ञानिक विशेषता के लिए जानी जाती हैं।
- **वर्कला (केरल) की प्राकृतिक विरासत:** यह स्थल अपनी तटीय चट्टानों और अद्वितीय भूवैज्ञानिक संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है, जो एक अधिसूचित राष्ट्रीय भू-विरासत स्मारक भी हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2025

चर्चा में क्यों?

- भारत, बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (BIFF) 2025 और दक्षिण कोरिया में एशियाई विषय-वस्तु एवं फिल्म बाजार (ACFM) में भाग लेगा
- सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन BIFF में भारत के पहले मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे

मुख्य बिन्दु:

- **संस्करण :** 30वाँ
- **आयोजन स्थल :** बुसान, दक्षिण कोरिया
- **आयोजन तिथि :** 17 से 26 सितम्बर, 2025

भारत की भागीदारी की मुख्य विशेषताएँ:

- **'वेव्स बाजार' पहल:** BIFF और ACFM दोनों में "भारत - विश्व के लिए रचनात्मक अर्थव्यवस्था" विषय के अंतर्गत भारत मंडप स्थापित किया जाएगा।

बुसान में भारतीय सिनेमा का प्रदर्शन :

- इस वर्ष भारत का प्रदर्शन अब तक का सबसे प्रभावशाली है, जिसमें दस से अधिक फिल्में भारतीय कथानकों की विविधता को दर्शाती हैं:

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- स्पाइंग स्टार्स (पद्मश्री नीला माधव पांडा) फिल्म उद्घाटन प्रतियोगिता खंड में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।
  - इफ ऑन अ विंटर नाइट (संजू सुरेंद्रन)
  - कोक कोक कोकूक (महर्षि तुहिन कश्यप)
  - शेप ऑफ मोमो (त्रिबेनी राय)
  - बयान (विकास रंजन मिश्रा)
  - डोंट टेल मदर (अनूप लोकुर)
  - फुल प्लेट (तनिष्ठा चटर्जी)
  - करिंजी (शीतल एन.एस.)
  - आई, पॉप्पी (विवेक चौधरी)

एशियाई प्रोजेक्ट मार्केट (ACFM) में सह-निर्माण मार्केट के लिए पांच भारतीय प्रोजेक्ट का चयन किया गया है:

- **डिफिकल्ट डॉटर्स :** सोनी राजदान द्वारा निर्देशित; आलिया भट्ट, शाहीन भट्ट, एलन मैकएलेक्स और ग्रीष्मा शाह द्वारा निर्मित।
- **द लास्ट ऑफ देम प्लेग्स :** कुंजिला मस्किलामणि द्वारा निर्देशित; पायल कपाड़िया, जियो बेबी और कानी कुसरुति द्वारा निर्मित।
- **लंका (द फायर) :** सौरव राय द्वारा निर्देशित; सुदीप्त साधुखान, विराज सेलोट और अंकिता पुरकायस्थ द्वारा निर्मित।
- **मून :** प्रदीप कुर्बा द्वारा निर्देशित और निर्मित।
- **द मैजिकल मेन :** बिप्लब सरकार द्वारा निर्देशित; भारत और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों द्वारा सह-निर्मित।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **भारत पर्व :** सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारतीय कला, संगीत और व्यंजनों की एक सांस्कृतिक संध्या "भारत पर्व" का आयोजन करेगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

BIFF और ACFM के बारे में:

- बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (BIFF) एशिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सवों में से एक है, जिसे FIAPF द्वारा भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) और कान फिल्म महोत्सव से मान्यता प्राप्त है। एशियन कंटेंट्स एंड फिल्म मार्केट (ACFM) एक प्रमुख सह-निर्माण और वित्तपोषण मंच के रूप में कार्य करता है, जो फिल्म निर्माताओं को वैश्विक निवेशकों और भागीदारों से जोड़ता है।
- **बुसान अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव :** वर्ष 1980 में शुरू हुआ।
- **54वाँ भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) :** 20 से 28 नवंबर, 2025 तक गोवा में आयोजित किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने भू-तापीय ऊर्जा पर पहली राष्ट्रीय नीति का अनावरण किया

चर्चा में क्यों?

- इस नीति का उद्देश्य भू-तापीय ऊर्जा को देश के नवीकरणीय ऊर्जा का प्रमुख हिस्सा बनाना और 2070 तक भारत के नेट-जीरो उत्सर्जन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करना है।

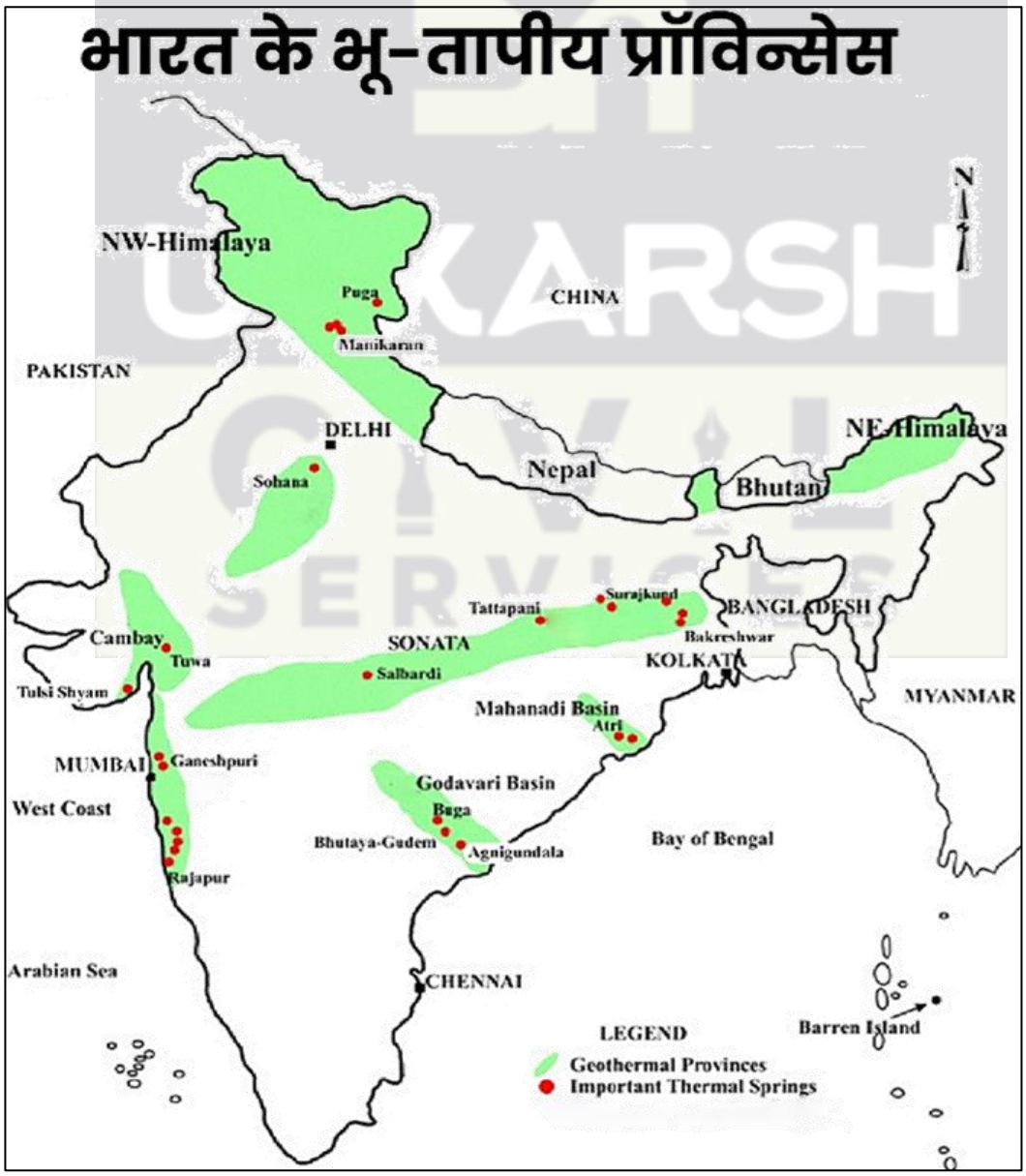

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

नीति की मुख्य विशेषता:

- 381 गर्म जल सोतों और 10 प्रॉविन्सेस को संभावित क्षेत्रों के रूप में पहचान।
- उच्च-तापीय धारिता/एन्थैल्पी (बिजली) और कम/ मध्यम तापीय धारिता (हीटिंग, कूलिंग, कृषि, उद्योग आदि) दोनों प्रकार के उपयोगों का समर्थन करना।
- इसमें संसाधन आकलन से लेकर अंतिम उपयोग तक सभी पहलुओं यानी- हाइब्रिड सिस्टम, भंडारण और तेल/ गैस कुओं का भू-तापीय ऊर्जा के लिए फिर से उपयोग करना आदि शामिल है।

संधारणीयता और विनियमन

- नीति में संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षित पुनः अंतःक्षेपण" (Reinjection) (जल को वापस भूमि में डालना), नियमों का अनुपालन और हितधारकों का परामर्श सुनिश्चित किया गया है।
- राज्य नोडल एजेंसियों के माध्यम से सिंगल-विंडो मंजूरी प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

वित्त-पोषण

- 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति तथा घरेलू नवाचार और तेल-गैस क्षेत्रक के साथ सहयोग को बढ़ावा।
- इसके तहत जोखिम-साझाकरण, रियायती ऋण, वायबिलिटी गैप फाइनेंसिंग (VGF), ग्रीन बॉन्ड, फीड-इन टैरिफ और मिश्रित वित्त की पेशकश की गई है।
- अनुदान, कर/ GST छूट, कर अवकाश, त्वरित मूल्यह्रास और संपत्ति कर में राहत का प्रस्ताव किया गया है।
- **सहयोग और क्षमता निर्माण:** अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और पीयर लर्निंग को बढ़ावा।

पट्टे और डेटा अवसंरचना

- **अन्वेषण पट्टे:** 3-5 वर्ष, विकास पट्टे: 30+ वर्ष तक, रियायती भूमि के साथ।
- अनिवार्य डेटा प्रस्तुत करने के प्रावधान के साथ एक केंद्रीयकृत भू-तापीय डेटा भंडार की स्थापना की जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सिमलिपाल टाइगर रिजर्व (STR)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने सिमलिपाल टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से ग्रामीणों के पुनर्वास के लिए धोखाधड़ी से सहमति प्राप्त करने के आरोपों की जांच का आदेश दिया है।

मुख्य बिन्दु:

सिमलिपाल टाइगर रिजर्व:

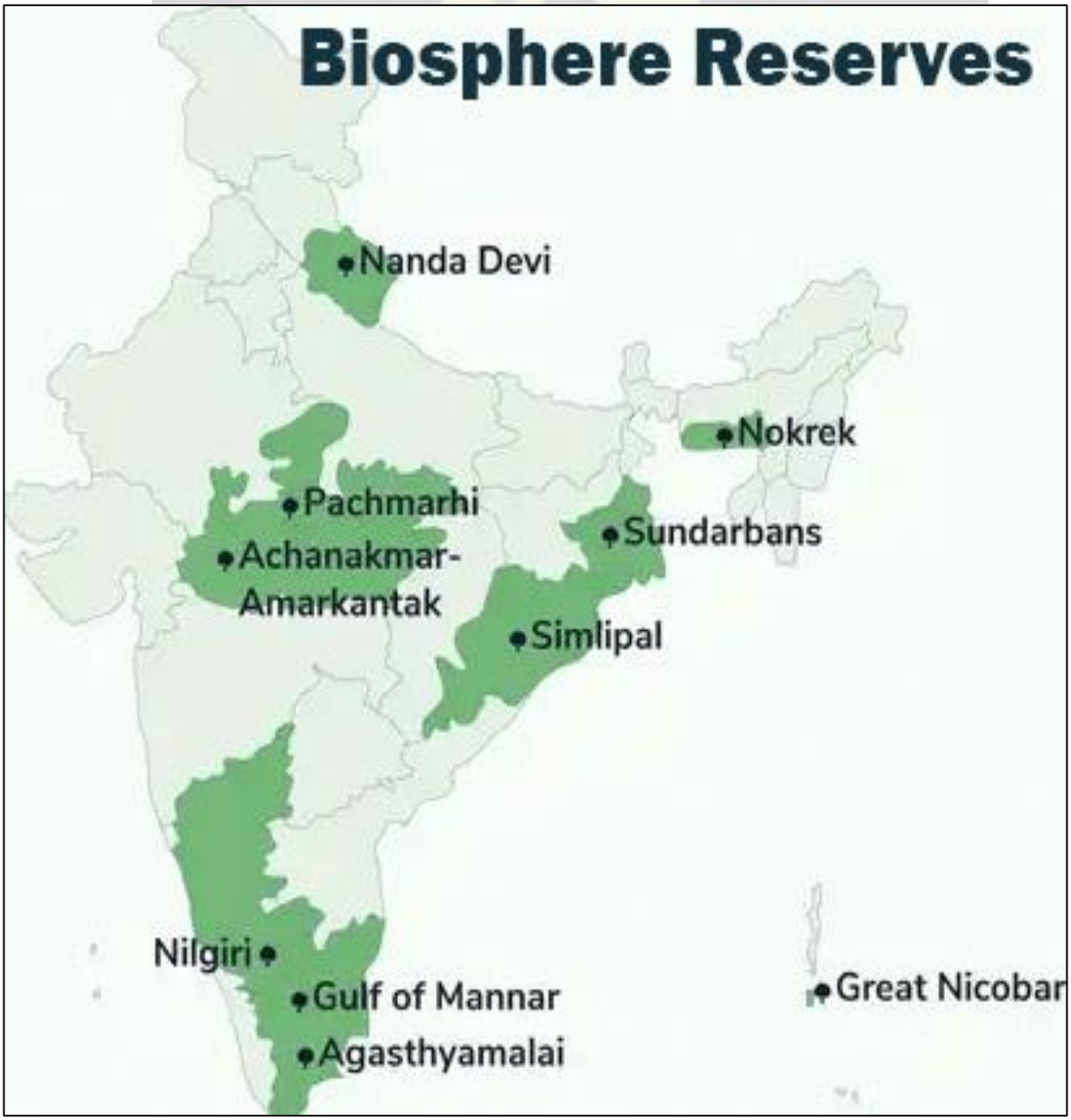

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **अवस्थिति:** ओडिशा के, मयूरभंज जिला।
- **अधिसूचना:** 1956 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया और 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत शामिल किया।
  - 2009 में यूनेस्को-विश्व बायोस्फीयर रिजर्व नेटवर्क में शामिल किया।
- **रिजर्व के जलप्रपात:** जोरांडा और बरेहीपानी।
- **रिजर्व से बहने वाली नदियाँ:** बुर्हाबलांगा, पल्पला बंडन, सालंदी, कहैरी और देव।
- **टाइगर रिजर्व में जनजातियां:** कोल्हा, संथाल, भूमिज, भटुड़ी, गोंड, खड़िया, मनकीडिया और सहारा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

भारतीय पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 3(d)

चर्चा में क्यों?

- भारतीय पेटेंट कार्यालय (IPO) ने पेटेंट अधिनियम की धारा 3(d) के तहत नोवार्टिस की हृदय रोग की दवा वाइमाडा का पेटेंट रद्द कर दिया।

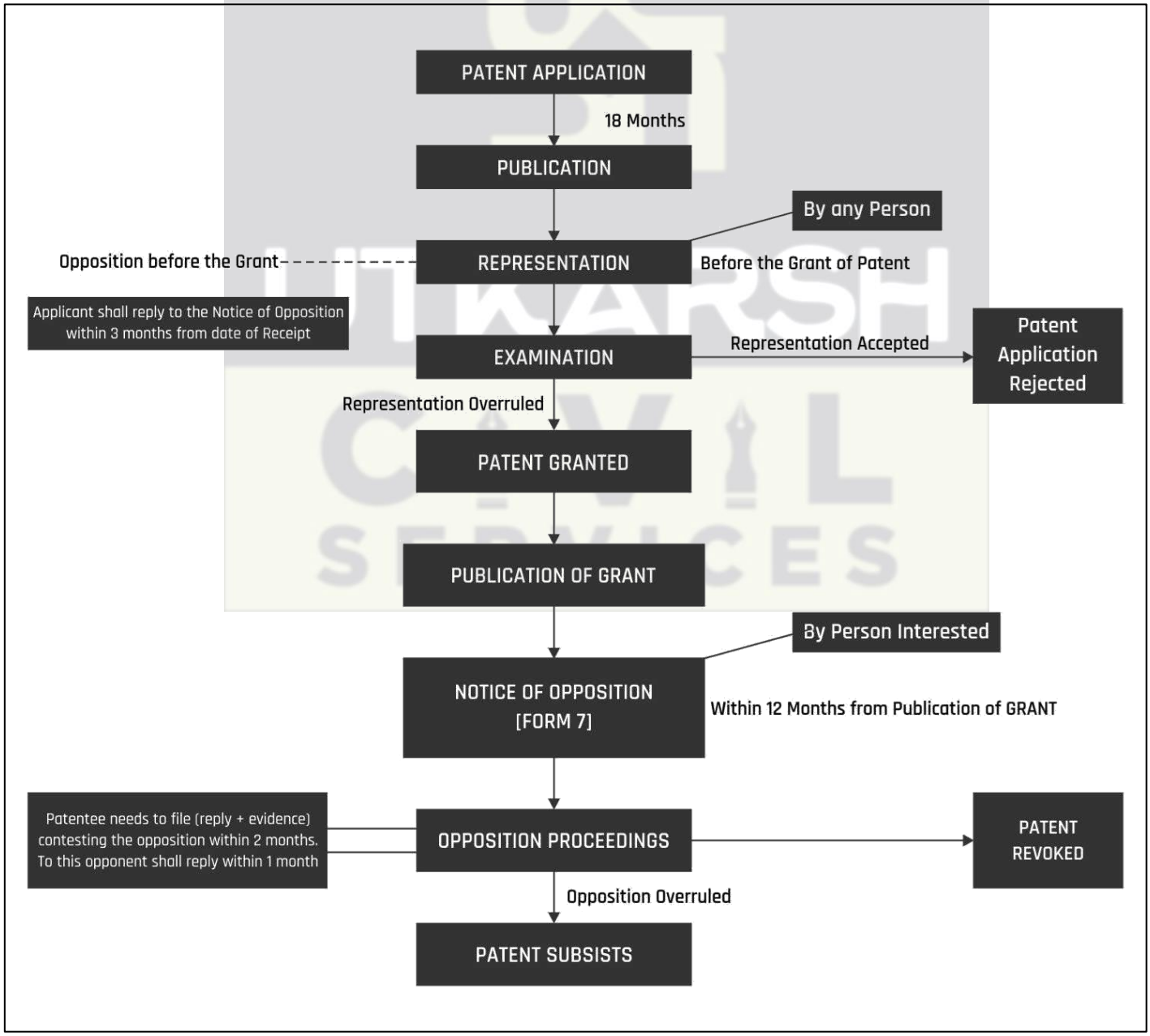

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

पेटेंट अधिनियम की धारा 3(d) के बारे में

- इसका उद्देश्य पेटेंट की "एवरग्रीनिंग" गतिविधि को रोकना है। एवरग्रीनिंग का अर्थ है- पुरानी दवा में किसी व्यापक चिकित्सीय सुधार नहीं होने के बावजूद मामूली संशोधन करके पेटेंट की अवधि का विस्तार करना है।

धारा 3(d) का महत्व

- किफायती दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करती है, "फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड" के रूप में भारत की भूमिका का विस्तार करती है।
- यह बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधी पहलुओं (TRIPS) और लोक स्वास्थ्य पर दोहा घोषणा-पत्र (2001) के अनुरूप है।
- वास्तविक इनोवेशन को प्रोत्साहित करती है।
- इनोवेशन के लिए प्रोत्साहन और किफायती दवाइयों की उपलब्धता के बीच संतुलन बनाए रखती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने बिहार में "राष्ट्रीय गोकुल मिशन" योजना के तहत स्थापित 'सेक्स सॉर्टेड सीमेन' केंद्र का उद्घाटन किया।
- 'सीमेन-सेक्स सॉर्टिंग' ऐसी तकनीक है जो लगभग 90% सटीकता के साथ मादा बछड़ों के जन्म की संभावना को बढ़ाती है।

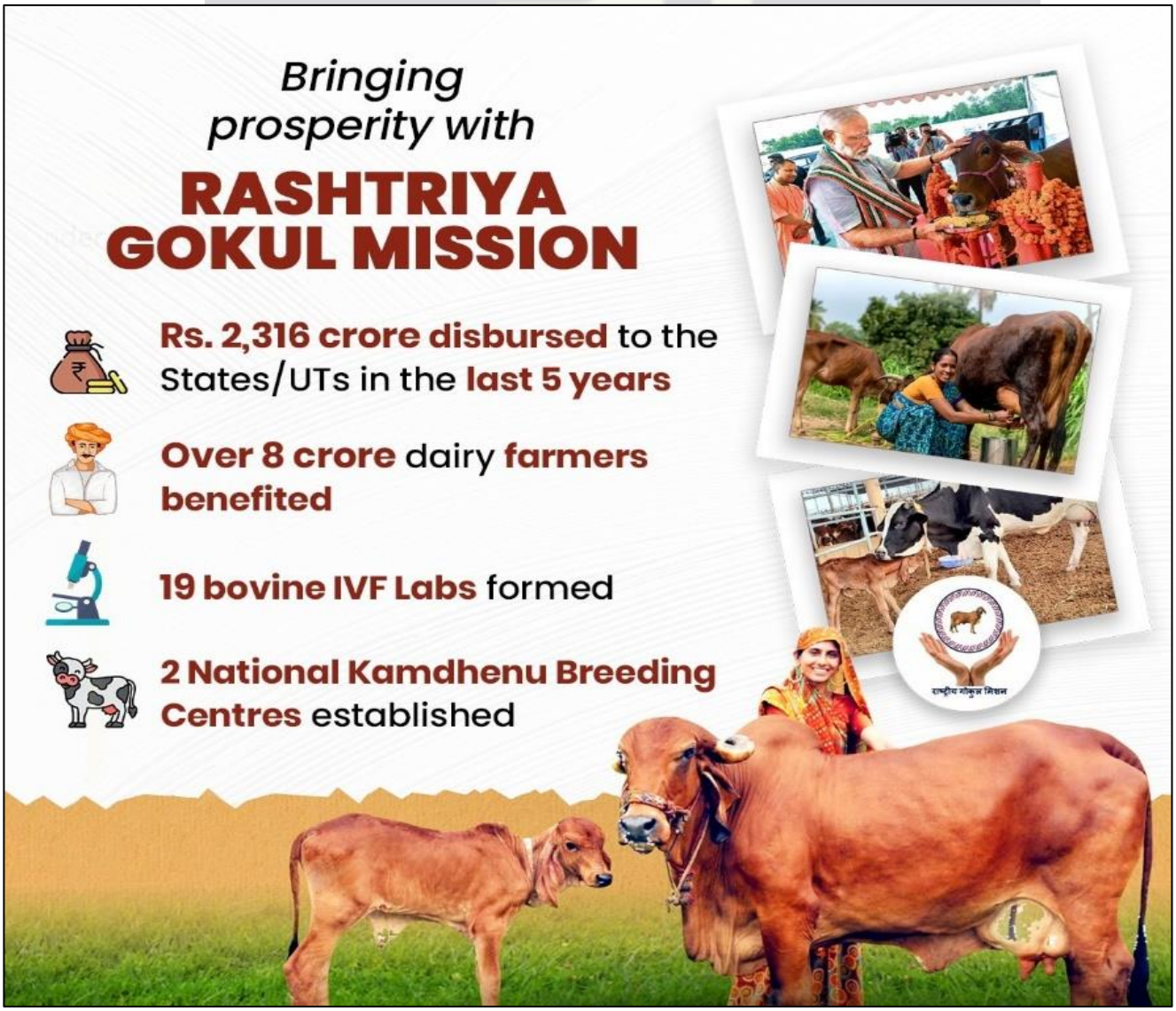

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

राष्ट्रीय गोकुल मिशन:

- **शुरुआत:** 2014
- **मंत्रालय:** केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
- **योजना का प्रकार:** केंद्रीय क्षेत्रक योजना

उद्देश्य:

- देशज गोवंशीय नस्लों का विकास और संरक्षण।
- गोवंशों की आबादी का आनुवंशिक सुधार।
- दूध उत्पादन और गोवंशों की उत्पादकता में वृद्धि ।
- **कार्यान्वयन:** भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक परिदृश्य

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति : तीन वर्ष पूर्ण

चर्चा में क्यों?

- 17 सितंबर, 2025 को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) को 3 वर्ष पूर्ण हो गए हैं।

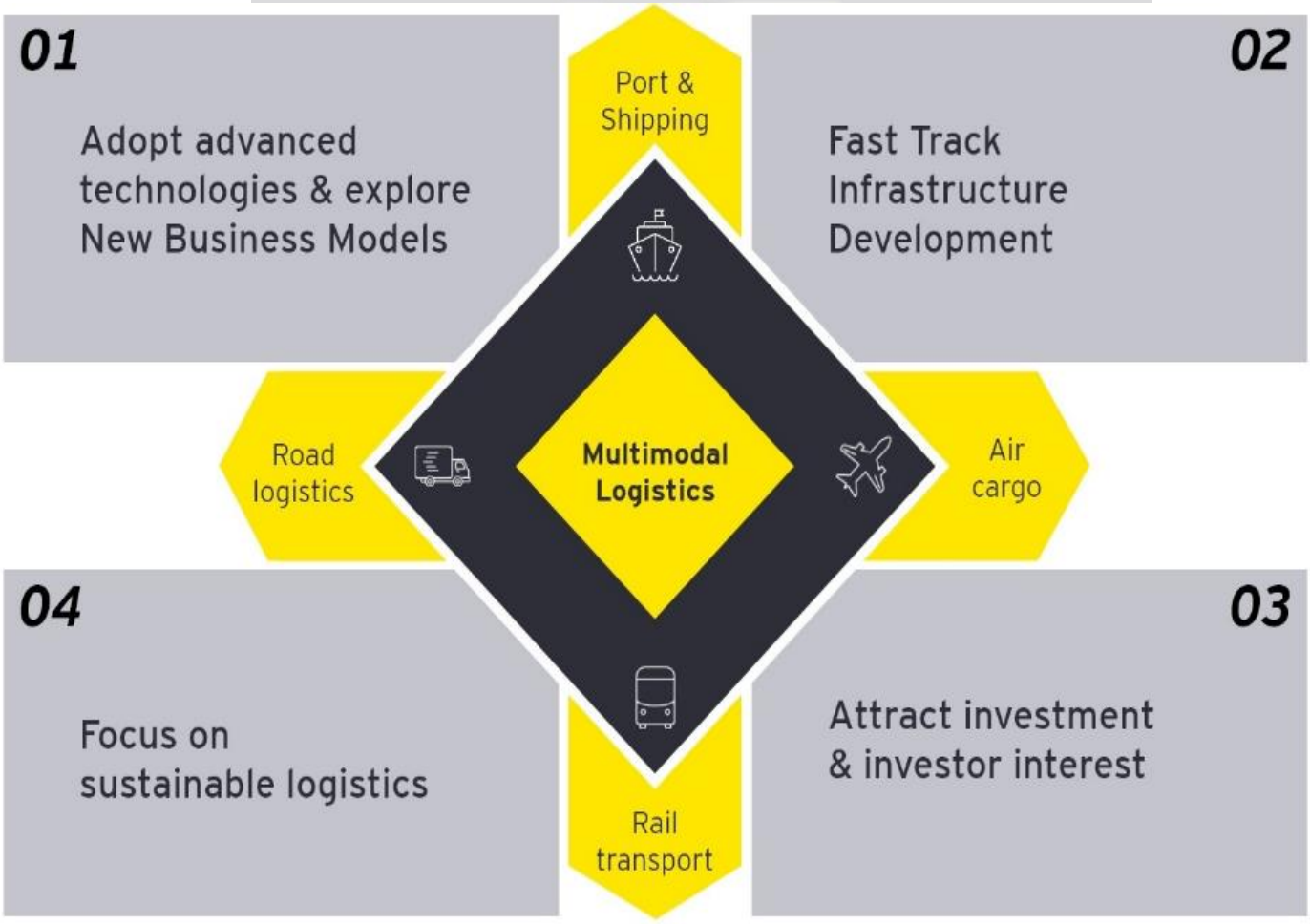

मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत :** 17 सितंबर, 2022
- **विभाग :** उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति सॉफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने, डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने, मानव संसाधन विकास को बढ़ावा देने और नियामक सुधारों को सक्षम बनाने पर केंद्रित है।
- **उद्देश्य :**लॉजिस्टिक्स लागत को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम करना, लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई) में वर्ष 2030 तक शीर्ष 25 में भारत की रैंकिंग को सुधारना और एक कुशल एवं एकीकृत लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम सुनिश्चित करने के लिए एक मज़बूत, डेटा-संचालित निर्णय समर्थन प्रणाली स्थापित करना।
- **अवधि :** 2022-2025
- **लक्ष्य :** वर्ष 2030 तक लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स में शीर्ष 10 में शामिल होना।

प्रमुख उपलब्धियाँ :

- इसने 30 से अधिक डिजिटल प्रणालियों में सुरक्षित एपीआई एकीकरण की सुविधा प्रदान की है, ताकि अगस्त, 2025 तक 160 करोड़ से अधिक डिजिटल लेनदेन संभव हो सके।
- राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के तहत यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) शामिल है।
- इसने 30 से अधिक डिजिटल प्रणालियों में सुरक्षित एपीआई एकीकरण की सुविधा प्रदान की है
- विभिन्न राज्यों में रसद सुगमता (LEADS) सूचकांक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रसद प्रदर्शन का आकलन करती है।
- लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक ने 101 अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (ICD) में 75 मिलियन से अधिक एक्जिम कंटेनरों पर नज़र रखी है।
- 2024 के संस्करण में कॉरिडोर पहुंच और टर्मिनल गति जैसे नए मानदंड शामिल किए गए, जबकि 2025 के संस्करण में डिजिटल रसद और स्थिरता मानकों को शामिल किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- विश्व बैंक के रसद प्रदर्शन सूचकांक में भारत को 38वें स्थान पर पहुंचाने में LEADS की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
- सीमा शुल्क निकासी, कोल्ड स्टोरेज और पैकेजिंग जैसी सेवाओं को एकीकृत करके मल्टी-मॉडल परिवहन को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (MMLP) विकसित किए जा रहे हैं।
- ई-लॉग्स पोर्टल ने 35 से अधिक लॉजिस्टिक्स और उद्योग संघों को अपने साथ जोड़ा है और हितधारकों द्वारा प्रस्तुत 140 में से 100 मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान किया है।
- डिजिटल एकीकरण और व्यापार सुगमता में सुधार हेतु, नीतिगत और नियामक मुद्दों के समाधान हेतु सेवा सुधार समूह (SIG) नामक एक संस्थागत तंत्र की स्थापना की गई।
- हरित और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स की खोज में, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर ने परिवहन उत्सर्जन मापन उपकरण (TEMT) विकसित किया है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- **लॉजिस्टिक्स :** इसमें नियोजन, समन्वय, भंडारण और संसाधनों - लोगों, कच्चे माल, सूची, उपकरण आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक, उत्पादन बिंदुओं से उपभोग, वितरण या अन्य उत्पादन बिंदुओं तक ले जाना शामिल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजव्यवस्था

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम

चर्चा में क्यों?

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4) के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मतदाता आधार नंबर का उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि यह प्रावधान इसकी अनुमति देता है।

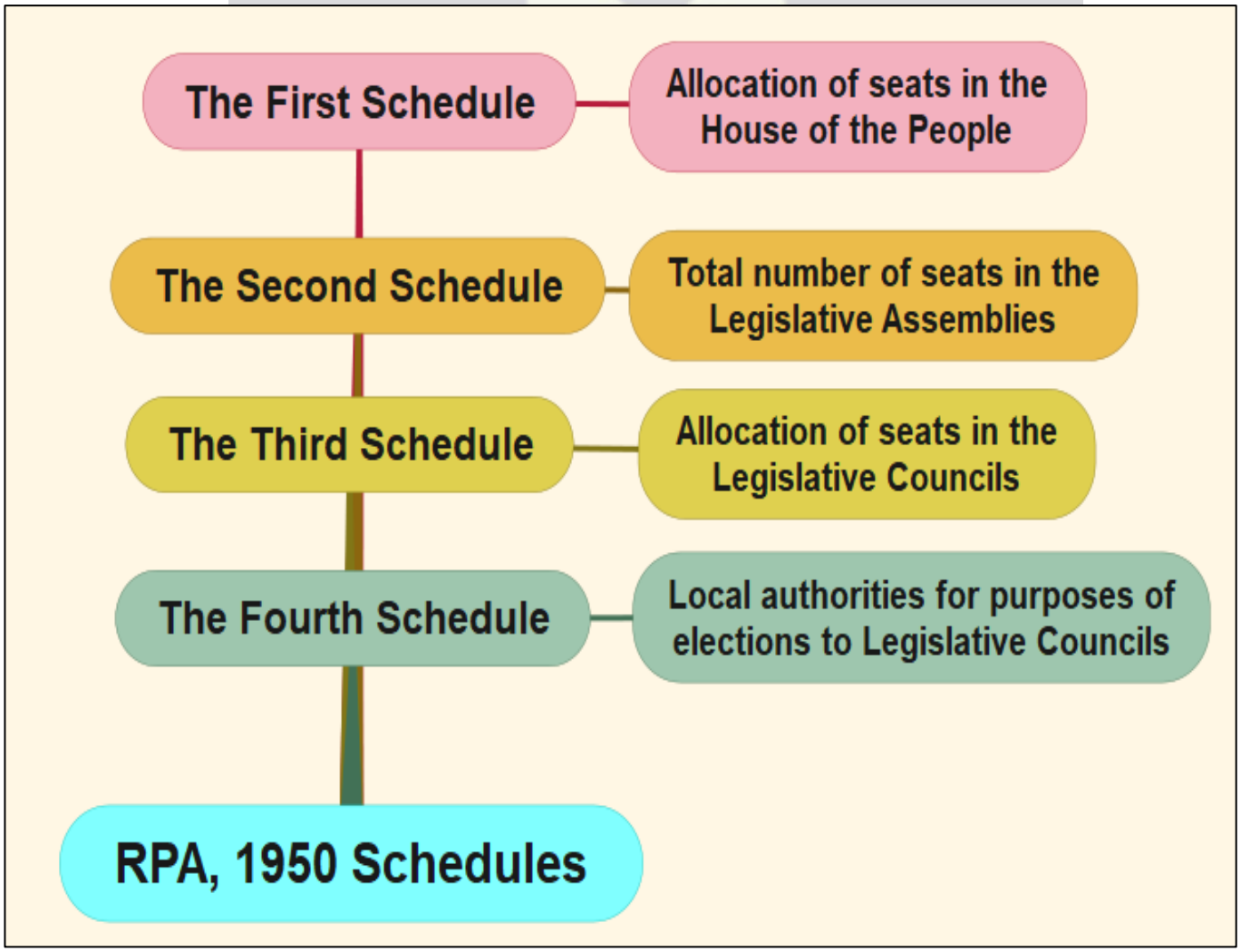

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

धारा 23(4) के प्रावधान:

- निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी किसी व्यक्ति से उसकी पहचान सत्यापित करने के लिए आधार अधिनियम, 2016 के अंतर्गत उसका आधार नंबर उपलब्ध कराने की मांग कर सकता है।
- यह प्रावधान केवल नए आवेदकों पर ही नहीं, बल्कि पहले से मतदाता सूची में दर्ज व्यक्तियों पर भी लागू होता है।
- इसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची में दर्ज प्रविष्टियों का सत्यापन करना और एक ही अथवा अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में डुप्लिकेट पंजीकरण की पहचान करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

विकसित भारत के लिए AI: त्वरित आर्थिक संवृद्धि का अवसर रिपोर्ट: नीति आयोग

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, AI 'विकसित भारत' के विज़न को साकार करने के लिए 8% से अधिक आर्थिक संवृद्धि दर प्राप्त करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- AI के व्यापक उपयोग से 2035 तक भारत की अनुमानित GDP 6.6 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 8.3 ट्रिलियन डॉलर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंच सकती है, अर्थात् इससे आवश्यक संवृद्धि अंतराल के लगभग आधे हिस्से की पूर्ति की जा सकता है।

रिपोर्ट में उजागर किए गए तीन प्रमुख पहलू

- **उद्योगों में AI को अपनाने में तेजी:** यह आवश्यक संवृद्धि का 30-35% हिस्सा पूरा कर सकता है। जैसे- बैंकिंग और विनिर्माण में AI का उपयोग।
- **जेनरेटिव AI से अनुसंधान और विकास:** यह आवश्यक संवृद्धि में 20-30% का योगदान देगा। जैसे- AI-सक्षम दवा खोज, सॉफ्टवेयर-सहायक वाहन आदि।
- **प्रौद्योगिकी सेवाओं में नवाचार:** यह आवश्यक संवृद्धि में 15-20% का अतिरिक्त योगदान दे सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सैन्य अभ्यास

बहुराष्ट्रीय अभ्यास पैसिफिक रीच, 2025 (XPR, 25)

चर्चा में क्यों?

- 14 सितंबर, 2025 को भारतीय नौसेना का नवीनतम स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (DSV), INS निस्तार ने बहुराष्ट्रीय अभ्यास पैसिफिक रीच 2025 (XPR, 25) में भाग लिया

मुख्य बिन्दु:

- **अभ्यास की शुरुआत :** 15 सितंबर, 2025
- **मेजबान देश :** सिंगापुर।
- **सक्रिय भागीदार या पर्यवेक्षक देश :** 40 से अधिक।
- **आयोजन :** चांगि नेवल बेस, सिंगापुर; सी फेज़ का आयोजन : साउथ चाइना सी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उद्देश्य :** प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को विकसित करने और अंतर-संचालन को बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों द्वारा संचालित पनडुब्बी बचाव प्लेटफार्मों और परिसंपत्तियों को एक साथ लाना।
- **चरण :** यह अभ्यास मुख्यतः दो चरणों में आयोजित किया जाएगा: बंदरगाह और समुद्री चरण।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

INS निस्तार:

- **कमीशन :** 18 जुलाई, 2025
- 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी रूप से निर्मित हैं।
- अभ्यास में निस्तार, साइड स्कैन सोनार, कार्य और अवलोकन श्रेणी के आरओवी और विस्तृत गहरे समुद्र में गोताखोरी प्रणालियों के साथ यह जहाज डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू व्हीकल के लिए मदरशिप (MOSHIP) की भूमिका निभाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण दिवस

31वां विश्व ओज़ोन दिवस: 16 सितम्बर

चर्चा में क्यों?

- 16 सितम्बर, 2025 को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने नई दिल्ली में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर के उपलक्ष्य में 31वें विश्व ओज़ोन दिवस का आयोजन किया।

मुख्य बिन्दु:

- **वर्ष 2025 का विषय :** 'विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक'।
- **कारण :** 16 सितम्बर, 1987 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर हुए, यह ओजोन-क्षयकारी पदार्थों (ODS) के रूप में संदर्भित मानव निर्मित रसायनों के उत्पादन और खपत को नियंत्रित करता है।
- **पहला विश्व ओजोन दिवस :** वर्ष 1994 में आयोजित किया गया।

विश्व ओज़ोन दिवस 2025 की मुख्य विशेषताएँ

1. **औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITI)** को शीतलन एवं वातानुकूलन (RAC) प्रशिक्षण उपकरण प्रदान किए गए।
2. **'औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITI)** को शीतलन और वातानुकूलन (RAC) प्रशिक्षण उपकरण सहायता' पर लघु वीडियो फिल्म जारी की गई।
3. **सामग्री का विमोचन:**

- स्कूली बच्चों के लिए ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर की पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताओं से विजेता प्रविष्टियों का विमोचन और विजेता प्रविष्टियों की घोषणा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल : भारत की सफलता की कहानी' का 27वां संस्करण जारी किया गया, जिसमें मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल कार्यान्वयन में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

4. प्रकाशनों का विमोचन

- भारत में जिला शीतलन प्रणाली (डीसीएस) की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता पर अध्ययन।
- बड़े एयर कंडीशनिंग भवनों में चिलर के लिए कम ग्लोबल वार्मिंग क्षमता (GWP) वाली वैकल्पिक तकनीकों पर अध्ययन।
- कोल्ड चेन में अमोनिया/कम ग्लोबल वार्मिंग क्षमता वाली वैकल्पिक तकनीकों की स्थापना और रखरखाव के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर अध्ययन।
- परिवहन शीतलन क्षेत्र में कम GWP तकनीकों पर अध्ययन।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- भारत ने HCFC उत्पादन और खपत में 67.5 प्रतिशत की कमी और HCFC-141B को पूरी तरह से समाप्त करने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।
- भारत ने 1 जनवरी, 2010 तक नियंत्रित उपयोग के लिये क्लोरोफ्लोरोकार्बन, कार्बन टेट्राक्लोराइड, हेलोन्स, मिथाइल ब्रोमाइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म जैसे ODS को सफलतापूर्वक चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया।

ओजोन :

- **परमाणु :** यह ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से बनी एक गैस है।
- **रासायनिक गुण :** ओजोन कमरे के तापमान पर एक विशिष्ट गंध वाली हल्के नीले रंग की गैस है जो पानी में अल्प घुलनशील है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उपलब्धता :** यह पृथ्वी के वायुमंडल के दो मुख्य क्षेत्रों में पायी जाती है ; समताप मंडल और क्षोभमंडल।
- **महत्त्व :** पृथ्वी की सतह से लगभग 10 से 40 मील ऊपर "ओजोन परत", पृथ्वी की सतह तक पहुँचने वाले हानिकारक पराबैंगनी विकिरण (UV Radiation) की मात्रा को कम कर देती है।
  - यह सुरक्षात्मक परत, जिसे स्ट्रैटोस्फेरिक ओज़ोन या अच्छी ओज़ोन के रूप में जाना जाता है, मोतियाबिंद और त्वचा कैंसर जैसे प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को रोकती है तथा कृषि, वानिकी और जलीय जीवन की रक्षा करती है।
- **वैश्विक प्रयास :** वर्ष 1985 में वियना कन्वेंशन तथा वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर हुए।
- **भारत द्वारा मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर :** जून, 1992
- **गोथेनबर्ग प्रोटोकॉल :** गोथेनबर्ग प्रोटोकॉल की स्थापना वर्ष 1999 में अम्लीकरण और ट्रोपोस्फेरिक ओज़ोन का कारण बनने वाले प्रदूषकों को नियंत्रित करने के लिये की गई थी।
- यह सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, अमोनिया और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों सहित वायु प्रदूषकों को लेकर सीमा निर्धारित करता है जो मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिये खतरनाक हैं।
- **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल :** ओज़ोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले विभिन्न पदार्थों के उत्पादन तथा उपभोग पर नियंत्रण के उद्देश्य से 16 सितंबर, 1987 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किये थे।
- किगाली संशोधन (वर्ष 2016) के तहत मॉन्ट्रियल में फ़्लोरोकार्बन (HFC) के उत्पादों और घटकों के पक्ष में कम करने की सहमति दी गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

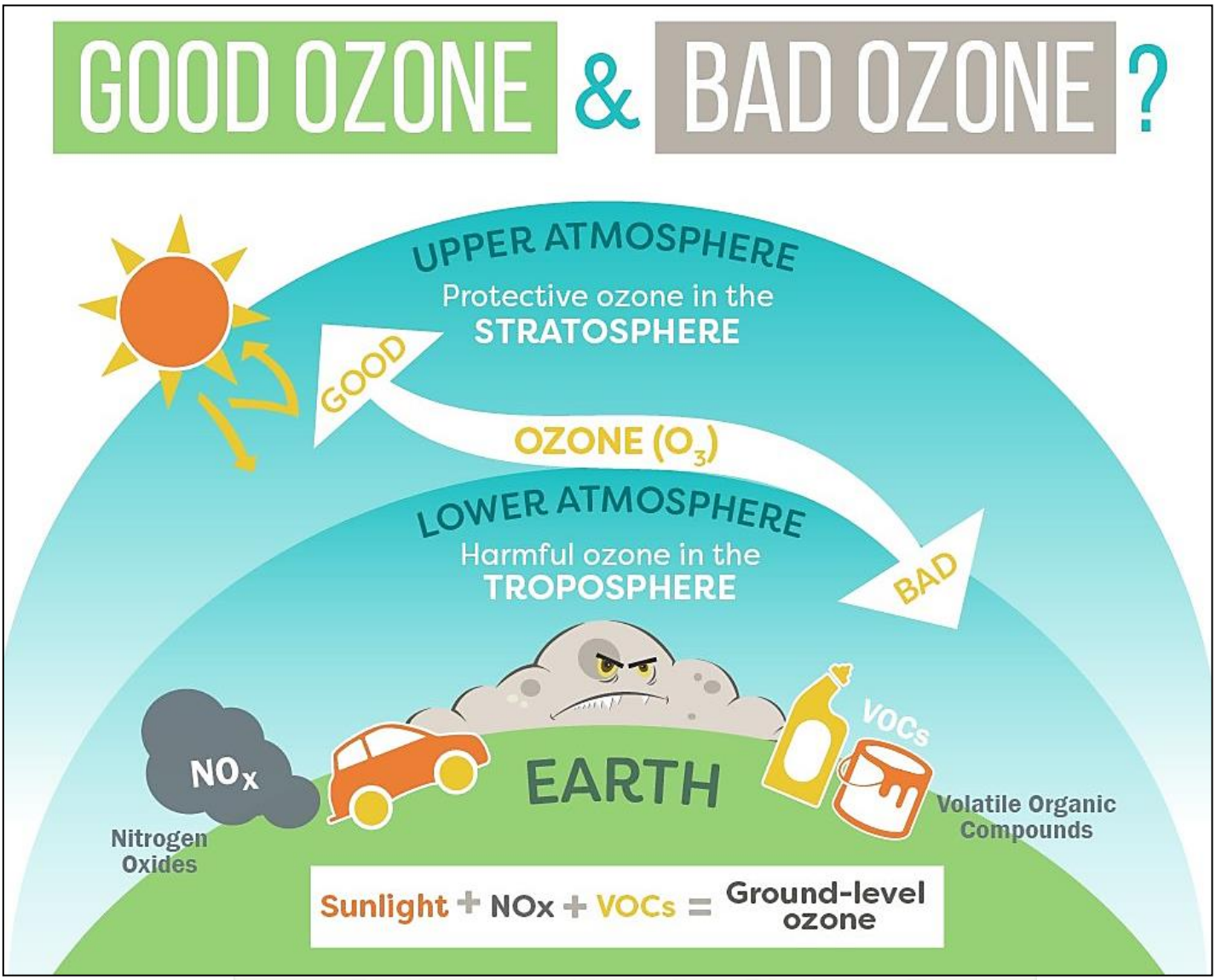

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय अभियंता दिवस

चर्चा में क्यों?

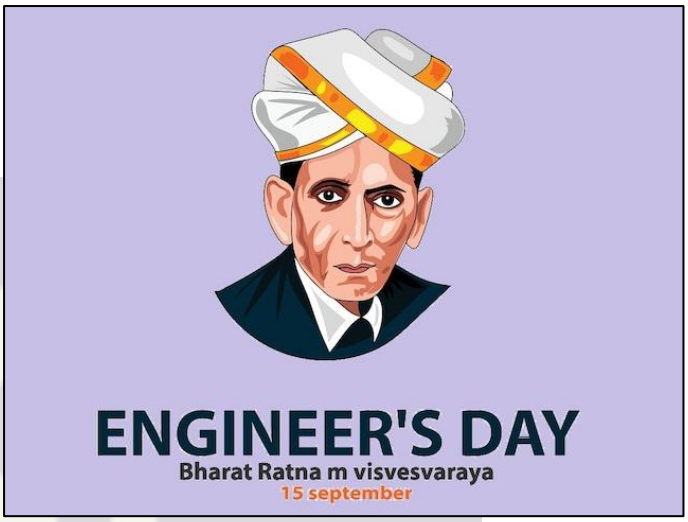

- 15 सितंबर को एम. विश्वेश्वरैया की जयंती (1861-1962) को राष्ट्रीय अभियंता दिवस (National Engineers Day) के रूप में मनाया गया।

मुख्य बिन्दु:

एम. विश्वेश्वरैया:

- **जन्म:** मुद्देनहल्ली (कर्नाटक)।
- **शिक्षा:** कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे से सिविल इंजीनियरिंग।

योगदान

- उन्होंने पंजारा नदी के एक चैनल में पाइप साइफन का निर्माण किया जिससे जल प्रबंधन में सहायता मिली।
- वे मैसूर में कृष्णा राज सागर बाँध के निर्माण में मुख्य अभियंता रहे।
- **प्रशासक:** मैसूर के दीवान के रूप में कार्य किया और मैसूर विश्वविद्यालय की स्थापना की।
- **रचनाएं :** भारतीय अर्थव्यवस्था पर "भारत का पुनर्निर्माण" और "भारत की नियोजित अर्थव्यवस्था" नामक पुस्तकें प्रकाशित कीं।
- **सम्मान:** उन्हें 1955 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण अभियान

स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2025

चर्चा में क्यों?

- 17 सितम्बर, 2025 को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2025 की शुरुआत की गई।

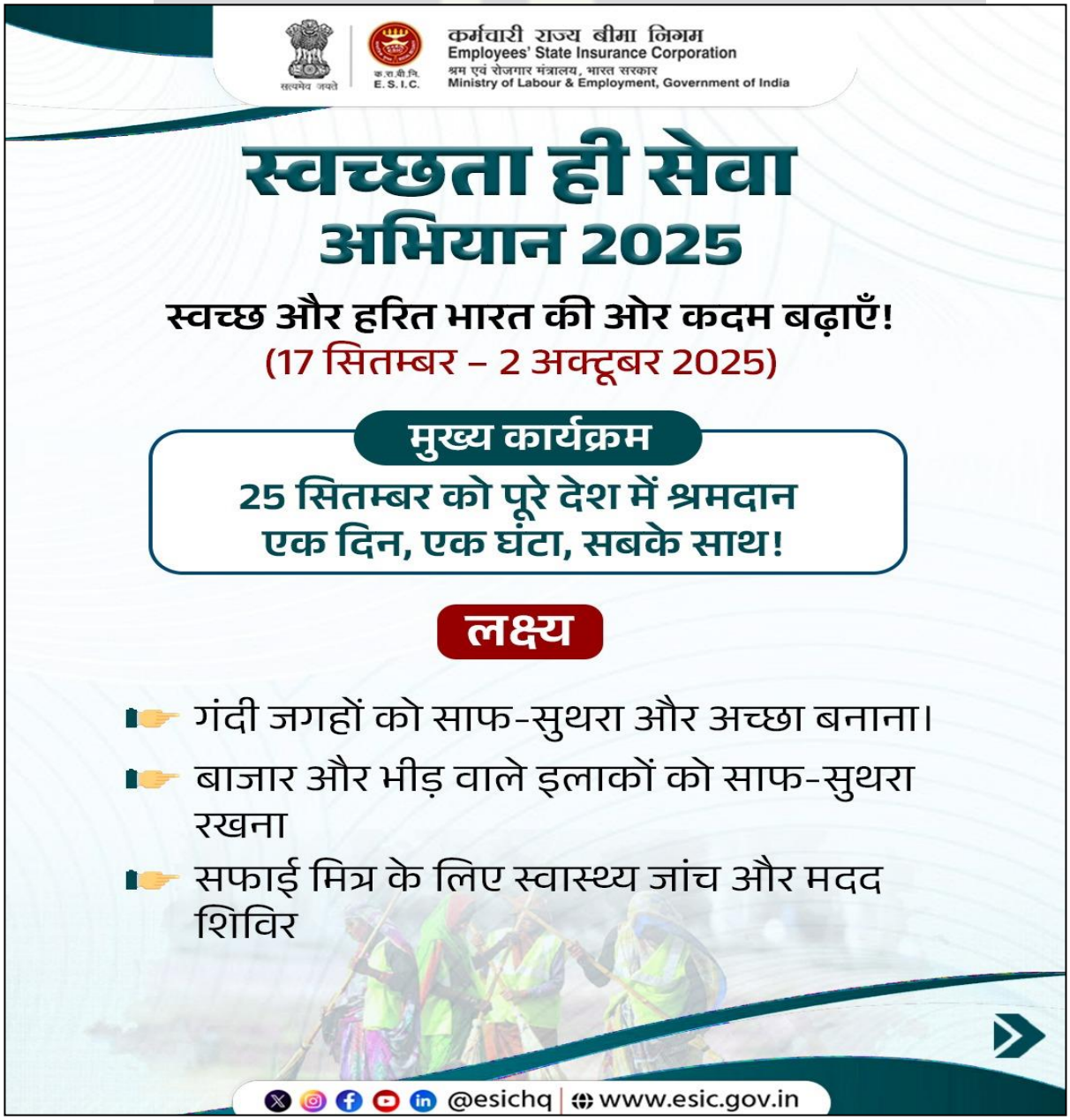

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **संस्करण :** 9वाँ।
- **अवधि :** 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक (15 दिवसीय) ।
- **आयोजक :** आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया।
- **वर्ष 2025 की थीम :** 'स्वच्छोत्सव'
- **वर्ष 2025 का फोकस :** स्वच्छता लक्षित इकाइयों (CTUs)– अर्थात् डार्क स्पॉट्स, उपेक्षित और दुर्गम क्षेत्र और अत्यधिक कचरे वाले स्थानों पर रहेगा।
- **राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक श्रमदान अभियान–** "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" का आयोजन : 25 सितंबर, 2025
- **स्वच्छोत्सव को 5 प्रमुख स्तंभों पर आधारित किया गया है:**
  - (i) **स्वच्छता लक्षित इकाइयों (CTUs) का रूपांतरण –** कठिन, अंधेरे और उपेक्षित स्थलों को समाप्त करना
  - (ii) **स्वच्छ सार्वजनिक स्थल –** सार्वजनिक स्थानों पर सामान्य स्वच्छता और सफाई गतिविधियाँ।
  - (iii) **सफाईमित्र सुरक्षा शिविर –** सिंगल-विंडो सेवा, सुरक्षा और सम्मान शिविरों के माध्यम से सफाईकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण उनके कल्याण के लिए।
  - (iv) **स्वच्छ हरित उत्सव –** पर्यावरण अनुकूल और जीरो वेस्ट वाले उत्सवों का आयोजन।
  - (v) **स्वच्छता के लिए जन-जागरूकता –** स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना, विशेष रूप से ग्रामीण भारत में ODF प्लस मॉडल और स्वच्छ सुजल गांव की घोषणा के लिए ग्राम सभाओं पर जोर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR